

चोरी की बाइकों के साथ चार शातिर चोर गिरफतार

बलिया। भौमिका पुलिस ने चार शातिर चोरों को गिरफतार करते हुए उनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद करने में सफलता प्राप्त किया है। पुलिस ने पकड़े गये शातिर चोरों को संविधान धारा 10 में बाबूद करने के निवास में चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावश्यक व अधिगुप्तों को गिरफतारी हेतु चलाए जा अभियान के क्रम में भौमिका पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। भौमिका के थानावधार राम सजन नगर व उन अन्यां राम ने नैवारी का आधार पर संजय कुमार पुरुष रथामनारायण के दबावे दबावे, थाना भौमिका, बदनां कुमार पुरुष सुरेश कुमार गौड़ निवासी निकासी, थाना नगर एवं रोटी की गिरफतारी के बाबूद करने के निवासी खट्टा बहोराया, थाना भौमिका को बाहरपुर बार्डर मिशन में जो चार मोटरसाइकिल तथा 2500/- रुपया बरामद किया। कार्डइं से पूर्णता में अधिगुप्तों ने बताया कि हम सभी मिलकर गाड़ी बुराकर बेचते हैं। पुलिस टीम में हेका, राजेश सिंह, कां. रमेश चौहान, योगेश प्रसाद, सत्यम मौर्य शामिल रहे।

आज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का उद्घाटन करेंगे डिप्टी सीएम

रसड़ा। बाला रामदल सूरजदेव युप आप कालेज यज यकवाइनार, रसड़ा प्रांगण में पांच अक्टूबर, बुधवार को उप सूख्यमंत्री बृजेश पाठक के बाबूद करने के उद्घाटन करेंगे।



मरामारी के प्रसाद गाँव, अजय भारती, सुनील राम, रमावती देवी, बबिता देवी, सुमेश्वर कुमार आदि भगवनी देवी, राजवंती देवी, मीना देवी, लगानी देवी, मौजूद रहे।

आक्रोशित ग्रामीणों का थाने पर प्रदर्शन



बैरिया थाना के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन करते ग्रामीण

सुनेकर प्रसाद, गौरव, अजय भारती, सुनील राम, रमावती देवी, बबिता देवी, सुमेश्वर कुमार आदि भगवनी देवी, राजवंती देवी, मीना देवी, लगानी देवी, मौजूद रहे।

हमतपुर निवासी हरराम राम की हत्या के मामले में मृतक की पत्नी की तहरीर पर आज्ञा दर्जन लोगों पर उन्मान ग्रामीणों की दर्ज कराया है। पुलिस के लिए लगातार दविश दी जा रही है। जल्द ही सभी आरोपी गिरफतार कर लिए जाएंगे। न्यायालय से प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एसएचओ ने आरोपियों को तीन-चार दिनों में गिरफतार करने का भरोसा दिया है। चेतावा कि अगर गिरफतारी नहीं हुई तो एसपी एफसी का धेराव किया जायेगा। इस अवसर पर

हिंदी-अंग्रेजी के साथ सभी भाषाओं में पारंगत होंगे छात्र

भाषा संगम के प्रचार की जिम्मेदारी शिक्षकों को

बलिया। शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिये शासन की ओर से विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जाता है। विद्यार्थियों का सामाजिक ज्ञान व भाषा ज्ञान व बढ़ावे के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग विशेष कार्यक्रम संचालित करेगा। भाषा संगम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मातृ भाषा के साथ दूसरी भाषाओं की प्रशिक्षण की विभाग जाएगा। विद्यार्थियों को दूसरी भाषाओं से परिचित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिले में 32 राजकीय, 92 सहायता प्राप्त व 484 वित्तविनां इंटर कलेजों का संचालन किया जाएगा। इंटर कलेजों में पांचीकृत विद्यार्थियों को सिफर हिंदी-अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की भी प्रशिक्षण की विभाग की जाएगा। सची के अन्सार बंगली, बोडो, डोगरी, जुराती, हिंदी, कन्नड़, कर्मसुरी, कौकण, मैथिली, मलयालम, मणिपुरम, मराठी, नेपाली, उडिया, जंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, असामी व संथाली आदि माध्यमों से बच्चों को दूसरी

भाषाओं सिखाइ जाएगी। दोस्तों पोटल पर

एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई सौ बच्चों की किंवदं वीडियो भी आलोचित किया जाएगा। विद्यार्थियों को जोड़ने से पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। सची के अन्सार बंगली, बोडो, डोगरी, जुराती, हिंदी, कन्नड़, कर्मसुरी, कौकण, मैथिली, मलयालम, मणिपुरम, मराठी, नेपाली, उडिया, जंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, असामी व संथाली आदि भाषाओं को जानकारी दी जाएगी।

भाषाओं सिखाइ जाएगी। दोस्तों पोटल पर

एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई

सौ बच्चों की सौ बच्चों को मातृ भाषा

विभाग विशेष कार्यक्रम संचालित करेगा। भाषा संगम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मातृ भाषा के साथ दूसरी

भाषाओं की प्रशिक्षण की विभाग जाएगा। विद्यार्थियों को दूसरी भाषाओं को परिचित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिले में 32 राजकीय, 92 सहायता प्राप्त व 484 वित्तविनां इंटर कलेजों का संचालन किया जाएगा। इंटर कलेजों में पांचीकृत विद्यार्थियों को सिफर हिंदी-अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की भी प्रशिक्षण की विभाग की जाएगा। सची के अन्सार बंगली, बोडो, डोगरी, जुराती, हिंदी, कन्नड़, कर्मसुरी, कौकण, मैथिली, मलयालम, मणिपुरम, मराठी, नेपाली, उडिया, जंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, असामी व संथाली आदि माध्यमों से बच्चों को दूसरी

भाषाओं की जानकारी दी जाएगी।

भाषाओं सिखाइ जाएगी। दोस्तों पोटल पर

एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई

सौ बच्चों की सौ बच्चों को मातृ भाषा

विभाग विशेष कार्यक्रम संचालित करेगा। भाषा संगम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मातृ भाषा के साथ दूसरी

भाषाओं की प्रशिक्षण की विभाग जाएगा। विद्यार्थियों को दूसरी भाषाओं को परिचित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिले में 32 राजकीय, 92 सहायता प्राप्त व 484 वित्तविनां इंटर कलेजों का संचालन किया जाएगा। इंटर कलेजों में पांचीकृत विद्यार्थियों को सिफर हिंदी-अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की भी प्रशिक्षण की विभाग की जाएगा। सची के अन्सार बंगली, बोडो, डोगरी, जुराती, हिंदी, कन्नड़, कर्मसुरी, कौकण, मैथिली, मलयालम, मणिपुरम, मराठी, नेपाली, उडिया, जंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, असामी व संथाली आदि माध्यमों से बच्चों को दूसरी

भाषाओं की जानकारी दी जाएगी।

भाषाओं सिखाइ जाएगी। दोस्तों पोटल पर

एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई

सौ बच्चों की सौ बच्चों को मातृ भाषा

विभाग विशेष कार्यक्रम संचालित करेगा। भाषा संगम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मातृ भाषा के साथ दूसरी

भाषाओं की प्रशिक्षण की विभाग जाएगा। विद्यार्थियों को दूसरी भाषाओं को परिचित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिले में 32 राजकीय, 92 सहायता प्राप्त व 484 वित्तविनां इंटर कलेजों का संचालन किया जाएगा। इंटर कलेजों में पांचीकृत विद्यार्थियों को सिफर हिंदी-अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की भी प्रशिक्षण की विभाग की जाएगा। सची के अन्सार बंगली, बोडो, डोगरी, जुराती, हिंदी, कन्नड़, कर्मसुरी, कौकण, मैथिली, मलयालम, मणिपुरम, मराठी, नेपाली, उडिया, जंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, असामी व संथाली आदि माध्यमों से बच्चों को दूसरी

भाषाओं की जानकारी दी जाएगी।

भाषाओं सिखाइ जाएगी। दोस्तों पोटल पर

एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई

सौ बच्चों की सौ बच्चों को मातृ भाषा

विभाग विशेष कार्यक्रम संचालित करेगा। भाषा संगम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मातृ भाषा के साथ दूसरी

भाषाओं की प्रशिक्षण की विभाग जाएगा। विद्यार्थियों को दूसरी भाषाओं को परिचित करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिले में 32 राजकीय, 92 सहायता प्राप्त व 484 वित्तविनां इंटर कलेजों का संचालन किया जाएगा। इंटर कलेजों में पांचीकृत विद्यार्थियों को सिफर हिंदी-अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की भी प्रशिक्षण की विभाग की जाएगा। सची के अन्सार बंगली, बोडो, डोगरी, जुराती, हिंदी, कन्नड़, कर्मसुरी, कौकण, मैथिली, मलयालम, मणिपुरम, मराठी, नेपाली, उडिया, जंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, असामी व संथाली आदि माध्यमों से बच्चों को दूसरी

भाषाओं की जानकारी दी जाएगी।

भाषाओं सिखाइ जाएगी। दोस्तों पोटल पर

एनसीईआरटी की ओर से तैयार की गई

सौ बच्चों की सौ बच्चों को मातृ भाषा

विभाग विशेष कार्यक्रम संचालित करेगा। भाषा संगम कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को मातृ भाषा के साथ दूसरी